१परमेश्वर को लौण येसु ख्रीस्टको सुखको समाचार को सुरु |
२ यशैया अगम्बक्ताके किताबमे अइसो लिखो है' "देख मए मेरो दूतके तेरो अग्गुअग्गु पठामंगो,जौन् तेरो डगर तयार करैगो |
३ बनमे एक जनै चिल्लान बारोको आवाज, परमप्रभुको डगर तयार करओ |
४ बप्तिस्मा देनबारो यूहन्ना पाप मिटानके ताहीं मन बदलनको बप्तिस्मा प्रचार करत बनमे देखा पडो |
५ येहुदिया देश और येरुस्लेमक सबए बासिन्दा बिनके ठीन निकरके आइगाए और बे अपन अपन पाप सुइकार करत बिनसे यर्दन नदियामे बप्तिस्मा लई |
६ येहुन्ना ऊंटको बारसे बिनके लत्ता लगत रहैं, और करेहाओंमे खाल को फेंटा बाधत रहैं, और टीढा और बनको सहतखात रहैं |
७ बो अइसे कहात प्रचार करी, "जौन मोसे पिच्छु आबैगो, बो मोसे सक्तिसली हए, तओ लोहोक्के बोको जूताको ताना खोलानको लायेकको मए नइयां |
८ मए तुमके पानी से बप्तिस्मा दओ हऔं | पर बो तुमके पबित्र आत्मासे बप्तिमा देबैगो |
९ अब बे दिनमे येसु गालिलके नसरतसे आओ , और युहन्नासे येर्दन नदियामे बप्तिस्मा लैलैई |
१० पानीसे निकरके आतैखीना बो स्वर्ग उघारो, और पबित्रआत्मा कबुतरके रुपमे अपन ऊपर उतरत देखलै |
११ तओ स्वर्ग से अइसो एक आवाज आओ, "तुम मिर प्यारो लौंण है, तोसे मए गजब खुसी हौं |
१२ पबित्र आत्मा बाके तुरुन्त बनमे लैगओ |
१३ भूतसे सतावोट पायके बो चालिस दिन बनमे रहो बो जंगली जनावर संग और स्वर्गदूत बोकी सेवा सत्कार करी |
१४ अब यूहन्ना पक्राओ परके पिच्छु परमेश्वरको सुखको समाचार परचार करत येसु गालीलमे आओ|
१५ बो कही," समय पूरा हिगाओ है, परमेश्वर को राज्य ढ़िगइं आई पुगो है | मन बदलाव और सुखको समाचारमे बिश्वास करऔ |"
१६ गलील समुन्दर के ढाहोढाहो जातरहय बो सिमोन और बा को भईया अन्द्रियास के समुंदर मे जाल डारत देखि काहेकी बो मछरहा रहय |
१७ येसु उनसे कही मेरे पिच्छु लागओ और मए तुमके मनईनको माछरेहा बनामंगो |
१८ बो तुरंत अपनी जाल छोडके और बोके पिच्छु लग्गय |
१९ और थोड़ी दूर जाएके पिच्छु बो जब्दियाक दुई लौंडा याकूब और युहन्नाके नैयामें बैठो जाल थिगारत देखी |
२० बो तुरंत उनके बुलाइलै, और बे अपनों दौवा जब्दिया के नैंया चलान ब संग् नैंयामे छोडके बाके पिच्छु लग्गए |
२१ तो बे कफर्नहुममे गए, और तुरंत बिश्राम दिनमे साभाघरमे घुसके शीक्षा देंनलागो |
२२ और सब् बाको शीक्षा मे अच्चमो मानी काहेकी बो उनके शास्त्री जैसो नाएकी अधिकार साथ सिखात रहय |
२३ बहे बेरा सभाघरमे अशुध्द आत्मा भओ एक आदमी रहै |
२४ बो अइसो काहत चिल्लानलागो, "हे नसरत को येसु हमय तोसे का लेनदेन ? का तै हमके सत्यानास पारन आओ है ? मए तोके चीनथओं, तै परमेश्वरको पबित्र लौण है |"
२५ तव येसु अइसो काहात बाके डांटी, "चुप लाग, और बासे निकरजा |"
२६ बो मनैके फत्फत्बात बो अशुध्द आत्मा बड़ो सोरसे चिल्लायेके बो मनइसे निकरीगओ | २७तओ सब जानैं अच्चम्मो मानी, और बे अइसो काहात आपसमे सोधपुंच कारन लागे,'जा का है? जत् नयाँ शिक्षा है | जत् अधिकार संग अशुध्द आत्मनके आज्ञा करत है, और बे उनको आज्ञा मानत हैं |"

२८और हल्दी नय येसु को चर्चा गालील के इल्लाकाके आस्पिस चारो तरफ फैल्गओ |

[बहुत जनैं अच्छे भए]

२९ अब बो तुरंत सभा घर से निकरो याकूब और युहन्ना के संग मे सिमोन और अन्द्रियास के घर में घुसी गए |

३० सिमोन की सासू जाढो भरी पाणि, और बे जल्दी बोके बक बारे में बाताइं |

३१ बो नाजीक आओ बक् हात पकड़के बाके उठाई, और जाडो बाके छोड्दै | तव बे बाकी सेवा करीं, सहार नै घरको फाटक मे जम्मा भाए रहे |

३२ तव संझाके घामु डबनेस पिछु, अदमि बाके जउणे बिमरि और भुत लगेभए जम्मै के लिअइ |

३३ सारे शहर नै घरके फाटक में जम्मा भएरहै |

३४ आनेक किसिमके रोग से ग्रस्त भए बहुत बिमारी के बो अछो करी, और बहुत भुतनके निकरी,तओ भुत बंके चिनेरहै और बो उनके बोलन नाएदै |

३५ सुबेरे उजियरो होनसे बहुत अगु उठो बो बाहिर एकन्त ढाउँमे गाओ,और बो प्रार्थना करी|

३६ सिमोन ओर बाके सॅग होनबारे बो ढुणत गए

३७ बो भेटएके पिछु बे कहनलगे, “सब तुमए खोजरहे है |”

३८ तब बो उनसे कही, “अओ,हम नजिक के और सहरमें जामै ,और हुऔ फिर मेंए प्रचार करन पामओ, काहेकी जहेक तहि मए अओ हौ |”

३९ और सारा गालील में उनके सभाघर में प्रचार करत और भुतनके निकरत बो नेगी |

४० और एक जनै कोढी बके कहां अएके घुटो टेक्के अइसे बिन्ती करी , “तुमरी इच्छा हयत तुम मोके अच्छो करडरइगे |”

४१ तब दायसे भरिके बो आफ्नो हात पसारी बके छइ और बसे कही, “मए इच्छा करथऔ, तए अछो हुइजए |”

४२ बहे समयमे बको कोढ बसे हटीगओ,और बो अच्छो हुइगओ |

४३ और बो बके कडा आज्ञा दैके अइसे कहींके तुरन्त पठाई,

४४ "देख तए केइसे मत कहिए, तए जाएके अफनै पुजाहरी काहॅ दिखा और तए अच्छो बकेमरे अदमीन को प्रमणके ताहि मोसा को आज्ञा बमोजिम पुजना चढा |”

४५ तऔ बो निकरके गऔ, और जहेबिस्मे खुल्लम खुल्ला प्रचार करनलगो,और येशु फिर सहर में खुल्स्त प्रबेस करनापई, और एकन्त ठाउमे रही |तऔ अदमी चरौ घेनसे बके ठिन अए |

२ [एकजनै आपडगा अच्छो बनो]

१ कुछ दिन पिछु बो कफर्नहुमे घुमो, और अदमी कही बो घरमे है करके सुनी |

२ और इतनो अदमी जम्मा भए की बे हुअ अपनें नए, जहिय सम्मा कि फाटक के बहिर फिर ठाओ भाव नए, और बो उनके परमेश्वर को बचन प्रचार करत रहै |

३ और चार जनै बोक्के एक जनै अपडगा के लाइके आदमी बाके ठिन अए |

४ भीड़ के करण येशुके नजिक बो आदमी नए पुगए पई तओ बे बो होनबरो ठाउको उपारको छनि उधकि, और उधको ठउसे आपडगके बोके सोन बरी खटिया समेत तरे लरकइ दै |

५ येशु उनको बिश्वास देखके बो अपडगा से कही, “ए लौड तेरो पाप क्षमा हुइ गओ |”

६ तर हुअ कुछ पनडित बैठे रहै, और आफ्नो मनमे अईसो बिचर कतर रहै ,

७ "जा आदमी कहे अइसो बोलथए ? जा त ईश्वर-निंदा है | केबल एक, अर्थात परमेश्वार बाहेक और केही पाप

क्षमा करन पैहै ?"
८ और बे आपसमे अइसे बिचर करथै करके येशु तुरन्त अफने आत्ममे थाह पएके उनसे कही, " कहे तुम अफने मनमे अइसो बिचार करथै ?
९ अपङगा से तेरो पाप क्षमा भाव कहन सजिलो है ?
१० तर अदमीको लौडके पृथ्बी में पाप क्षमा करनके अधिकार है करके तुम जानै |" तओ बो अपङगा से कही,
११ मए तुमसे कहतहै, उठ, अफनी खटिय उठा, और घर जा |"
१२ तओ उठो, और तुरन्त खटिय उठाएके सब के सामने से गइभओ |यहा समकी,सब जनै अचम्मो मनी, और "हमता त अईसे क्बुनादेखे रहै" कहत बे परमेश्वारको महिमा करी |

लेबीको बोलावाट
१३ बो फिर एक दओ समुन्द्रके किनरे गओ |और आदमी को एक गजब भारी भीड़ बके कह अए,और बो उनके शिक्षा देन लगो |
१४ तओ पिछु जात करत बो अल्फयसको लौड लेबी के कर उठान बरोके ठाहोमें बैठो देखी और उनसे कही, "मेरे पिछु लगओ |"बे उठे और बके पिछु लग गए |
१५ बो लेबी के घरमें खानुखन बइठो रहै कर उठान बारे बहुत जनै और पापी फिर येशु और बोके चेलान के सॅग बैठे रहै |कहेकी बोके पिछु लग्न बारे बहुत रहै |
१६ बो पापीन सॅग और कर उठान बारे सॅग खातदेखी फरिसी दाल के शस्त्री बाके चेलन से कहि, "तुम कहे कर उठान बारे और पापी सॅग बैठके खाथौ ?"
१७ जा सुनके येशु उनसे कहि, " निरिगीके बैदाक को जरुरत नाएपडत हैए, तर रोगिन के मत्र पढथै |मेंए धार्मीन के ताहि नाए, तर पापीन के बुल्नके अओ है |"
[उपाबस बिषय प्रश्न]
१८ यूहन्नाक चेला और फरीसी उपबास बैठत रहै |आदमी अए बोसे कहि, "यूहन्नाक चेला और फरीसीक चेला उपबास बैठत है, तओ तीर चेला काहे उपबास बैठत नइय ?"
१९ येशु उनसे कही का दुलहा उनके सॅग रहुनजेल बरैतिया उपबास बैठत है ? जब सम्म दूल्हा उनके सॅग है तओ बे उपबास बैठत नएहै |
२० तर समय अएहै, जब दुल्हा उनसे अलग करेहै, तब बो दिन उपबास बैठङगे |
२१ कोही फिर पुरनो कपड़ा नया कपड़ा को थिग्रा नए लगथै, अर्थात् नया पुरनो से फटके निकरत है, और फटो झन् बेकर हईजाथै
२२ कोही फिर नया दाखमध पुरनो खालके मसकमें नडरत है, नत्त बो दाखमध खलको मसक के फुटएदेहै, और दाखमध और मसक खरब हुईजए है |तर नया दाखमध नयए भाणमे डारन पड़थै |"

[शबाथ-दिनको प्रभु]
२३ एक शबाथ-दिन बो अन्नको खेत हुइके जात रहै |जाते जात बके चेला नेगत नेगत अन्नक बाली तोड्न लगे |
२४ जा देखके फरीसी बसे कहि, "देख शबाथ-दिनमें जो करन अनुचित है बहे कहे करथै ?"
२५ बो उनके बतई, "जब दाउद और उनके सॅग होन बारे घटिकमी में पड़े भए और भोकए भएन के ताहि दाउद क करी ? क तुम कबही पढेनहौ ?
२६ प्रधान पुजाहरी अबियाथार के पालोमे परमेश्वार के भवनमे बो घुसो, और परमेश्वारको चढाओ भाव रोटी

खई,जो पुजाहरी से बाहेक औरन के खान अनुचित रहै, और बो रोटी उनके सॅग होन बारेन फिर दई |"
२७ उनसे बो कहि, "शबाथ-दिन आदमीन के ताहि बनो है, आदमी शबाथ-दिनके ताहि नए |
२८ जाहे करण आदमीनको लौड शबाथ-दिनको फिर प्रभु हए |"

३ अध्यया
१पिच्छु फिर बो सभाघर में घुसीगओ, बोहुँआ सुखो हात भव एक आदमी रहै |
२ काप्ता बो बाके शबाथ -दिनमें अच्छो करेहए की कर्के बो के दोष लगन् आदमी बोको चूहा लेतरहै |३ तओ बो सुखो हात भव आदमी से कहि, " यितए अओ |"
४ बो उनसे कहि, शबाथ-दिन अच्छो करन् कि खराबी करन्,ज्यान बचान् कि नाश करन् कउन् ठीक है ?" तओ बे चुप् लागेरहै |
५ बिन्को हृदय को कठोरता में दुखी हुईके क्रोधित भव बो उनके सब्के देखि और बहे आदमी से कहि, "तेरो हात पसार |" बहे हात पसारी और बको हात अच्छो हुईगओ |
६ तओ निकरके गए बोके कईसे नाश करयं करके फरिसीबाले तुरन्त हेरोदसॅग बाके बिरोद्मे सल्लाह करीं |

[भीड़ येशुक पच्छ्याई]
७ तओ पिच्छु येशु अपन् चेलान् सॅग समुन्दर् घेन गओ, और गलिलसे आद्मीन् की बहुत भारी भीड़ बाके पिछु लागी |
८ यहूदिया, यरुशलेम, इदुमिआ, यर्दनपार और टुरोस और सिदोनक असपिसके आदमीन् को बहुत भारी भीड़ बोको अचम्मक काम के बारेमे सुनन् बाके कहाँ अए |
९ भीड़ बोके चिब्दाबय नाए करके बो आफ्नो चेलन् से अप्ने ताहीं एक नैइया तायर करन लागइ |१० बो बहुतन् के अच्छो करी बहेमारे रोग लगे भए सब बोके छूइहैँ करके ठेलम ठेला करत रहै |११ जब् घिनौनो आत्मा बोके देखतए, घुप्पटा पड्के अईसे काहत रहैँ, "तए परमेश्वरको लौँडा है |"
१२ तओ बोके परघट् नाकरयं करके बिनके बो कडो हुकम दई |

[बाह्र चेलन को नियुक्ति]
१३ तओ पिच्छु येशु डगामें चढो, और बो अफने चाहन भए जीतोके बुलई, और बे बके ठिन अए |
१४ अफन् सँग रहन् और प्रचार करन पठनके बो बाह्र जानैक नियुति करी,
१५ और उनके भुत निकर्न अधिकर फिर दई |
१६ तओ बाह्र प्रेरित जेहि हैं :सिमोन,जौँनको नाउँ बो पत्रुस धरिरहै,
१७ जब्दियाक लौडा याकूब और याकुबको भईया युहन्ना |बो उनके बोअनर्गेश,आर्थात गर्जनको लौड़ करके नाऊ दैई |
१८ अन्दियास, फिलिप, बारथोलोमाई,मती,थोमा,अल्फयसको लौड़ याकूब, और थेदियस, सिमोन काननी १९ और यहूदा इस्करियोत जाउन बोके थोखा दई |

[येशु और बालजिबुल]

२० तओ येशु फिर घरए गओ |भीड़ जमा हुईगा, जाहीत की बो खानु खान तक पाईनए |
२१ जब

येशुके परिबारके जा सुनी, ताव बोके लैजानके बे निकरे, बे कहत रहैं बाको मन ठेगानमे नैय कारके बे कहत रहे |
२२ यरुशलेमसे अए भाए व्यवस्थाके शस्त्री अथाव भिदुवा कही, " बोमे बालजिबलको भुत है,और भुत मालिक से बो भुत निकरत है |"
२३ तओ बो उनके आफ्ने ठिन बुलाई के कहाँनी कही, " शैतान शैतानक कैसे निकारेगो ?
२४ कुई राज्यको आपसमे फुट हुईहै ताओ बो राज्य टिकनए पहै |
२५ कुई घरको आपसमें फुट भाव तओ बो घर टिक्नए पैहै |
२६ और शैतान शैतानके बीरुदमें खड़ा हुइके फाटो लीअई है, तओ बो टीकैगो नए, तओ बोको अंत अइगओ |
२७ कोही फिर बली आदमी के घरमे घुसके धनमाल लूटनए पैहै, जबतक बो बालियों आदमी के बाँधेहै नए| तओ बो बाको घर लुटन नपैहै |
२८ निहत्औ, मै तुमसे कहत हौ, आदमिन को सब पाप और ईश्वर-निन्दा छमा करे जहै
२९ तर पबित्र आत्माके बिरुदमें निन्दा करन बरेके कदापि छमा नहुइहै, तओ बो अनन्त पापकर्म दोषी ठहीरैगो |"
३० बो जा बचन कहि, काहेकी "बे अशुद आत्मा है करके बे कहत रहै |
[येशुक अइय और भईय]
३१ तओ बोकी अइय और बक भईय बोहुव आए, और बहिरै खडा हुईके बके बुलन पठई |
३२ भिड़ बके आसपिस बाए बैठिरहै और बे कहि, "देख तुमर आइय और भईय तुमके बाहिर ढुणत है |"३३ बो उनके जबाफ दईके कहि, "मीर आइय और भईय कौन है?
३४ और आफ्ने असपिस देखके बो कही, "देखै जेहि हए मीर आइय और मीर भईय |
३५ काहेकी जौन परमेश्वर की इच्छय पालन करथै बेहि नए मीर भईय और मीर बहिनिया और मीर आइय है |"

| [बिज बोनकी कहानी]
४ अध्यया
१ पीछुसे फिर समुन्दारके ढाहो किनारे बो शिक्षा देनलागो बके चारौघेन भीड़ यित्नो भरी भाव की बो समुन्दरमें भाव एक नईयामें चाढो और बोमे बाईठो |आदमी समुन्दर के किनरमें ढाहोम बईठेरहै |
२ और बो उनके कहनिमें बाहुत बात सिखई |बो अपनों शिक्षामें उनसे आईसे कही :
३ "सुनो 'देखो, एक जनै बिज बोन आदमी बिज बोनके निक्रो |
४ और बोत देखि कुई बिज डगर में पड़ी और बिज चीरेई चुरग्नी आएके खाए डरी |
५ कही बिज पथार बारे ठाँउमें पडे, जहाँ बहुत माटी नए रहै, और माटीकी गाहेरई नहुके, बे हल्दी जमिगए |
६ घामु एक्दम जोडासे नीक्रो पीछू पिडगा डुड्गए, जर नहुइके बे सुक्गाए |
७ कुई बिज चहीँ काँटोन के बिचमे पढे |काँटो बढो और बोट निस्सदै, और बामे फरा नलगे |
८ तर कोही बिज अछि जमिन्मे पडे, और जमे और बाढके तीस गुना, साठ गुना, और सओ गुना फरा दई |"
९ और बो कहि, "जउनको सुनन कान है, बो सुनए |"
१०जब बो इकल्लो भाव, तओ बाह्र जनै चेला और बोके अस्पिस भए, बो उनसे कहनीके बारेमे पूछी |११ बो उनसे कहि, "परमेश्वर को राज्यको रहस्य तुमके दए गौहए, तर बहिर बरेनसे सब कहनीमें कएहै,
१२ की बे देखन त देखत है, तर देखनए पाथै, सुन्न त सुनथै् ,त्र बूझात नहए, नत बे पश्चाताप करते,और बिनको पाप छमा हुईतो |"
१३ बो उनसे कही, "तुम जा कहनीको अर्थ बूझेनए ? तओ और सब कहनी अर्थ कईसे बूझइगे ?

१४ बिज बोनबारो बचन बोथै |
१५ कोई आदमी डगर में बोए भए बिज कतहै् |जब बे बचन सुन्थै् ,तओ तुरन्त शैतान अथए और बिन्मे बूओ बचन लैच्लो जाथए |
१६ असिकरके पत्थर बारे ठाँउमे बोए भए जेहि है, जउन जब बचन सुन्थै तओ खुशीसाथ तुरन्त बे गरहण करलेथै |
१७ तओ उनको अपनो जर नएलगो के करण थोरि देर तक मत्र बे टिक्थै |तओ जब बचन को करण संकट अथबा सतबट अथए, तओ बे तुरन्त गिर जाथै् |
१८ काँटोके बिचमे बोए भाए जेहि है, जउन बचन सुन थए,
१९ तओ जा संसारको चिन्ता और धनको लोभ और चीजको लालच अएके बचनके निसास देथै, |तओ बे फलबन्त हुई नए पथए |
२० तओ अछि जामिनमें बोए भए जेहि है, जउन बचन सुनत है, और गरहण करथै, और फरा देथै् तीस गुना, सठा गुना,और सओ गुना |"

[आरे उपार दिया]
२१ बो उनसे कहि, "क कुई दिया पजरके खटीया तरे रखन के ताहि भीतर लाथै ?
२२ क अरेम धार ताहि नए ?
२२ कुई चीज लुकएके नारख पैहै, जउन प्रघट नईया, और कउन चीज है जउन उजियारोमे नैया |२३एति कूई आदमीक सुन्न कान है, तओ बो सुनए |"
२४ बो उनसे फिर कहि, "तुम जो सुन्थै, बोमे ध्यान देओ | काहेकी जोन नपसे तूम देहौ, बहे नपसे तुम पैहौ |और तुमए ओ जधा दओ जहै |
२५ काहेकी जउन संगहै, बोके दओ जाहै,और जैन संग नैया, बके संग भाव फिर छिनो जाहै |"

[जमन बरो बिज की कहनी]
२६ बो कहि, "परमेश्वारको राज्य अईसो है- कुई एक आदमी बिज बोइ,
२७ और बो सोत रहै तहु, जगो रहै फिर बो बिज पिड्गा फोरत रहै और बढात रहै, तओ बो कईसे बढात, सो बो नए जनत रहै |२८ जमीन अपनए जामथए, पहिले पिड्गा तओ बाली, तओ बालीमें पुरा दाना लागत है |२९ तओ जाब अन पकथए, तओ तुरन्तए बो हँसिया लागथए काहेकी फसल बेरा आईगव |"

[भादीक बिजक कहनी]
३० बो फिर कहि, "परमेश्वर राज्जको तुलना कसे करए ? तओ कौन कहनी से जाको ब्याख्या करए ? ३१ जा त भादीक दाना जैसो है, जो जमीनमें बोथै |पृथ्वीभरमे सब बिजसे छोटो है तहुफिर
३२ जब बो बोथै, तओ बो बढथै, और सब सागपातसे बड़ों, और बो बड़ों बड़ों हगा होथै, और अकाशके पन्छी बाके छाहिमें पाल बनथै |"
३३ बिनके बूझान सक्न बारे बो अईसे बहुत कहनी कहिके उनके बचन सुनई |३४ कहनीबिना बो उनसे बोलिनए, तओ अपने नजिक चेलाके बो चुपै सबको अर्थ खोलदै |

[येशु आँधीके शन्त पारी]
३५ बो सँझाके बो चेलन से कहि, "अबौ, हम बोपर जामै |"

३६ तओ भीड़से बिदा लैके पीछू, बो जौन नैयामें बैईठो रहै बहेमें चेलनके अपने संग लईगओ |और फिर नैया बाकेसंग रहै |
३७ और बहुव बहुत भारी आँधी चली, और लणुरा नैयामें लणन लगे, हिय तकि नैयामें पानी भारन लागो |
३८ बो आपन नैयामें पछुके भाग एक सिराहींन लैके सोतरहै |बे बोके आइसे करके जागई, "गुरुज्यु हम डूबन लागे् कहे के तुमए वास्ता नैए ?"
३९ तओ बो जगो, और आँधी हप्कई, और सामुन्दरको लणुरासे कही , "शन्त हो | रुकजा | "और आँधी थमीगई और बाडो सन्नाटा हुईगओ |
४० बो उनसे कहि, "तुम अईसे
कहे डराथौ ?तुमर बिश्बास नैए ?"
४१तओ बे बहुत डारई गए और आपसमे कहन लगे, "जा काउन हए ? आँधी और समुन्दर फिर ईनको हुकुम मन्थै |"

[भुत लगो आदमीको छुटकारा]
५ अध्यया
और बो समुन्दरके बोपार गेरासेनस के मुलुक में अओं |
२ येशु नैयासे बहिर उतरके तुरन्त तओ मरघाटसे
अशुध्द आत्मा लगोभओ एक आदमी बोके भेटी |
३ और बो मरघटमें बैठात रहै | कोईफिर बाके साकरसे फिर बाके बाँध्नए पतरहै |
४ काहेकी बाके बहुत चोटी नेल और साकरसे बाँधो रहै, और बो साकरके खनडा-खनडा करदेत रहै |कोई आदमी बोके बॉसमें करनए पात रहै |
५ बो रात और दिन सादामान मरघट और डाँगामें चिलत अपना अपनए के पथारसे कटत नेगत रहै |६ और जब बो येशु के दूरसे देखलई तओ दौडके अओ, और बोके दण्बत् करी |
७ और गजब जोड़से चीलयके बो कही, "हे सर्बोच्च परमेश्वरको लौडा येशु तुमै मोसे कापडी है ?मए परमेश्वरको कास्म खाए के तुमसे बिन्ती करथै, की मोके दुःख मतदिओ |"
८ कहेकी बो बोसे कही, "ए असुध्द आत्मा, तए बो आदमीसे निकर अईजा |"
९ और बो बासे पूछी, "तेरो नाउँ क हए ?" तओ बो कहि, "मेरो नाउँ फौज हैए, काहेकी हम बहुत है |"१० तओ भुतात्माके बो ईलाक बाहिर निकर दीए करके बो बासे आग्रहापुर्बाक बिन्ती करी |
११ हुअ जाउणेको डाँगामे सोराको एक बाहुत भारी बगाल चुगत रहै |
१२ तओ भूतात्मा अइसे बोसे बिन्ती करी, हमए सोरा कहाँ जानदे, और हमके बोभितर बाईठनदे |"१३ तओ बो उनके आनुमति देई, और शुध्द आत्मा बहिर निकरके सोराके भीतर घुसिगए, और लगभग दुई हजार सोराको तओ बो बगाल हुरईसे समुन्दरमें हुरके, और सामुन्दरमें डूबके मरीगए |
१४ तओ सोरा चरनबारे भाजे, और
सहर और गाउँ- गाउँमे खबर दई |और का भाव हैए, सो देखन आदमी हुअ आए |
१५ तओ बे येशु कहाँ आए, और देखि की भुत लागो आदमी ठिक मानको भाव कपड़ा लगए बैठो रहै |बोके देखके बे डारईगए |
१६ और जाऊन जा देखि रहै, बे भुत लगो आदमी और सोरा का भाव रहै, सो बातएदई |
१७ और उनको इलाक से चलो करके आदमी येशुसे बिन्ती करन लागे |

१८ बो नैया हुसन लागो तओ भुत लागो आदमी बाके संग रहन ताहि बिन्ती करी |
१९ तओ बो बके अनुमति नाए दैई, तओ बासे कहि, "ताए आपने घरमे जा तेरे संगीनके प्रभू तेरे ताहि करी महान काम और तोके दिखाई बडो दाय
के बरेमें बातएदे |"
२० और बो आदमी नेगिदैई, और येशु बके तही कितनो बड़ो काम करीरहै सो डेकापुलिस भार प्रचार करनलागो, और सब आदमी अचम्मो मानी |

[मरी लौडीया और रोगी बईयर]
२१ जब येशु फिर नैयामें समुन्दरके बोपार गओ, तओ एक गजब भरी भीड़ बोके असपीस जामा हुईगए |बो चाहि समुन्दरके किनारे रहै |
२२ सभाघरके शासकमध्ये याइरस नाउँको एक जनै बोके कहाँ अओ, और बोके देखके बोके पाउमे घोप्टो परीगओ,
२३ और अइसे करके बिन्ती करी, "मेरी छोटी लौडीय मरन लगी है, अएके बके ऊपर तुम हात रखदे, और तओ अछि हुईक्े और बाँचीजहै |"
२४ तओ येशु उनके संग गओ |और आदमी बोके असपिस ठेलम ठेला करनलागे |
२५ और बाह्र वर्ष से रगत बागन बारो रोग बारी एक बैईयार बोहुअ अई |
२६ बो बहुत बैदानके हातसे अनेक कष्ट पाएके, अपन संग भाव सारा धनसम्पति खर्च करके अछि नएभई बरु झन् खराब हालतमें पुग्ई |
२७ येशु के बारेमे बो सुनी रहै, और भीड़के पीछूसे आई बाको कुरता बो छोई |
२८ कहेकी बो मनए मनमें कहि मैए बाको कुरता छोएलेहै तओ मैए आच्छो हुईजओ |
२९ और तुरन्त बाको रगत बागन बन्द हुईगओ,और अपनों शरीरको रोग अच्छो भाव थाहा पाई |
३० अपनेसे शक्ति बाहिर निकरो झटए येशु थाहा पाएके भीड़में पिच्छु घूमके पूछी, "कौन मेरो कुरता छोइहै ?"
३१ चेला बोसे कहि, "भीड़ ठेलम ठेला करत तुम देखि रहेहै| और ताहू फिर तुम कहथै, "कौन मोके छूओ ?"
३२ बोके छुन बारो कौन हए, करके बो चारैघेन देखन लागो |
३३ तओ अपनक जो भाव रहै, सो थाहा पाएके बो बैइयर डरले थार थारत आईके येशुके आगू घोप्टा पाडिगई, और बो सब सतसे बातई दैई |
३४ तओ बो बासे कहि"ए लौडीय, तेरो बिश्वाससे तए अच्छो भाव है |शान्तीसे जा |तेरो रोग अच्छो हुईगओ |"
३५ बो बोल्तरहै, शासकके घरसे आदमी आएके कहि, तुमरी लौडीय त मारिगई |गुरुजीके अब कष्ट कहेदेतहै?"
३६ तओ बे करी बातमें ध्यान नएदैइ येशु सभाघरके शासकसे कहि, "मत डारए, बिश्वास मात्र कर |"
३७ और बो पत्रुस, याकूब और याकूबको भाईया युहन्नासे बाहेक और कोईके अपने संग आनके अनुमति नाएदैई |
३८ बे सभाघरके शासकके घरमे अए, और बो खैला बैला करनबारे, और रोनबारे और बहुत जोड्से बिलौना करनबारेन देखी |
३९ भीतर कुच्के बो उनसे कहि, "तुम काहे खैला बैला करथै और रोतहै ? लौडीय मरी नैईय, बो सोईरहिहए |"
४० तओ बे बाकी बातमें हसी |तओ बो उनके सबके बाहिर निकारी, और लौडीयक दावा और अईया और बोके संग होंनबारेके साथमें लैके लौडीयक ठाउँमे भीतर गओ |
४१ और लौडीयक हात पक्डी बो बासे कहि, "तालिता कूमी, "जाउनको अर्थ है, "ए बालिका, मैए तोसे काहथै उठ |"
४२ और लौडीय तुरन्त उठीगई और नेगान् लागी |बो बर्षकी रहै |और हुआए बे आचम्मे मनि |

४३ बो उनसे कहि जा कोई पात नाएपमै् करके कडा आज्ञा दई |और बालिकाके कुछ खान देओ करके बिनसे कहि|

[नासतमे येशुके इन्कार]

६ अध्यया

१ बोहुआसे निकरके बो अपने नगरमे घुमो |बाके चेला बको पीछू लागे |

२ शबाथ दिनमें बो सभाघरमें शिक्षा देन लागो |बहुत जनै सुन्नबारे छक पढेके कहि, "जा आदमी जा सब कहाँसे पाई ?

३जाको दाव जा ज्ञान कईसो है? जाको हातसे कारे भए काम कितो शक्तिशाली?

३ क जा बाहे ?सिकर्मीक नएहै? क जा त मरियमको लौडा और याकूब, योसेफ, यहूदा और सिमोनको ददा नईया? क जक बहिनिय ता हमरी संगका नईया?" और बे बोसे छिड़क पडे |

४ तओ येशु उनसे कहि, "अगमवक्ता के अपनों देश और अपने नातेदरनके बीचमें और अपने घरमे बाहेक अन्त काहू अनादर होत्नए है |"

५ और बो हुआँ कोई कोई रोगीन ऊपर अपने हात राखके उनके अच्छो करनके आलबा और कोई शाक्तिशाली काम करनपाई |

६ उनको अबिश्वास देखके बो छक्क पड़ो|और बो गाउँ गाउँमे शिक्षा देतजान्लागो |

[येशु बाह्र चेलान पाठाई]

७ बो बाह्र जानैके अपने ठीन बुलाई और बिनके दुई दुई करके पठाई |बिनके अशुध्द आत्मा उपार अधिकार फिर दई |

८ उनके बो अइसो आज्ञा दई : "यात्राके ताहि साथमें कुछ मात बुकिओ, नै ता रोटी, नै झोला नै गोझामें पैसा, तर एक लकडी मात्र बुकिओ |

९ जुता लागईओ, तर और जधा कुरता मतबुकिओ |"

१० बो उनसे कहि, "जब कुई घरमे हुसाओ, जबतक बो गाउँसे निकरै तबतक हुवए बैठियो |

११ यदि कोई ठाउँमें तुमए स्वागत कारए नाए, और आदमी तुमरो बचन सुन्न ईन्कार करए तओ, बो ठाउँसे तुम निकओ उनके बिरुध्दमें गबहीके ताहि अपने पैतालाको भुवा झारईदिओ |"

१२ तओ बे निकार्के गए आदमीनके पश्चाताप करन् कहिके प्रचार करी |

१३ बे बहुत भुत निकारी,और बहुत रोगीनके तेलसे अभिषेक करके अच्छो करी |

[बप्तिस्मा-देनबारो युहन्नाको मृत्यु]

१४ हेरोद राजा येशुको किर्ती सुनी, कहेकी बोको नाउँ प्रचलित हुईगओ रहै |कितनो कहातरहै, "बप्तिस्मा-देनबारो युहन्ना मरके जिन्दा हुईगाओ है, जहेमारे ता उनसे आइसो शाक्तिको काम हुईरहै |"

१५ तओ और कही, "बो एलिया हाए |"और जद्धा कहि, "जात पुरानो समयको अगमवक्ता कता एक अगमवक्ता हए|"

१६ तओ जब हेरोद जा सुनी तओ उनसे कहि, "युहन्ना, जउनको मुड माए काटनके लागाओ,बाहे जिन्दा हुईगाओ|"

१७ कहेकी हेरोद अपने भइया फिलिपकी बैईयार हेरोदियासके करण युहन्नाके पकड़न लागई बोके बाँधी जेलमें डारिरहै, कहेकी बो हेरोदियाससे बेहा कारीरहै |

१८ काहेकी युहन्ना हेरोदसे अईसे कहिरहै, "अपनी भइयाकी बैयार अपनी बैयात बानान ठीक नएहै |"

१९जहेमरे हेरोदियास बाके उपार रीस धारेरहै, और बोके मरन चाहत रहै, तओ सिकिनए रहै |
२० कहेकी युहन्ना एक धर्मात्मा और पबित्र आदमी कहतरहै, हेरोद बोसे डरत रहै, और बोके सुरक्षीत राखेरहै | युहन्नाको शिक्षा सुनके बो अचम्मो मानतरहै, खुशीसे सुनत रहै |
२१तओ एक मौका बो समय
अइगाओ, जब हेरोद अपनों जन्मत्सव अपने उचेपदके पदाधिकरिन, अधिकृतनके, और गालीलक मुख्य- मुख्य आदमिनके बहुत भारी पाटीदई |
२२ कहेकी जब हेरोदियासकी अपनी लौडीया भीतर अएके नाची, तओ बो हेरोद और उनके पाहुन्न खुशी करदई | तओ राजा लौडीयासे कहि, "तेरी जो इच्छा लाग्तहै सो माग, और मए तोके देहओ |"
२३ बो कसम खाएके बासे कहि, ताए मोसे जो मागईगोओ मए मेरो आधो राज तक तोके देमङगो |"
२४ और बो बाहिर निकारके अपनी आइयसे पूछी, "माए का मागओ ?" बो कहि, "बप्तिस्मा-देनबारो युहन्नाको मुड |"
२५ तओ बो दौरके जाल्दीसे भीतर राजाठीन अई, और आइसे करके मागी, " तुममोके हबाए बप्तिस्मा-देनबारो युहन्नाक मुड थारीयामे देबाओ कारके माए चाहत हओ |"
२६ राजा बहुत दुखी हुईगओ, तओ बो अपनों कसम और पाटीमें बैईठन बारे पाहूनके करण बो लौडीयके दओ बचन तोड़ नापई |
२७ राजा तुरन्त गारदको एक जनै सिपाहीके पाठई युहन्नाक मुड़ लानके हुकम दई |और बो जेलमे गओ युहन्नाक मुड़ काटी,
२८ और बोको मुड़ थरीयाम लाएके लौडीयक दई, और बो लौडीया अपनी आइयके दई |
२९ युहन्ना क चेला जब जा बात सुनी तओ बे आएके बाको लहास उठएके मरघटमें लैजाएके गडि |

[येशु पाँच हजारके खाबाई]
३०और प्रेरित येशुक ठीन भेला भए, और बे जो जो करी रहै और सिकाई रहै, बे सब बोसे पूछी |
३१ बो उनसे कहि, "तुम अपनाए मीरसंग एकान्त ठाउँमें अओ, और कुछ थकाई मारौ |"कहेकी हुवा आनजानबारे बाहुत रहै, और बोके खानतक फुर्सत नएरहै |
३२ और बो नैयामें चुपाए एकान्त ठाउँमें गओ |
३३ बहुत आदमी बोके जात देखि, और बाहुत चिन्लै,और सब सहेरसे पैदर दौडत उतए गए,और बोके अग्लेछा अगु पुगे |
३४ जब बो किनारेमें उतरो तओ बो एक बहुत भारी भीड़ देखि, और बो उनके डाह करी |कहेकी बे बँक्रेराह बिनाके भेडा कातरहै |और बो बिनके बाहुत बात सिकान लगोरहै |
३५ और जब दिन बाहुत ढारको तओ बोके चेला बाके ठीनआएके कहि, "जा एकन्त ठाउँ हाए, और अब दिन बाहुत ढारक गओ |
३६ आदमिनके बिदा देओ,और बे आसपिसके बस्ती और गाउँमें जाएके अपने ताहि कुछ खानबारो चीज किनलें मै |"
३७ तओ बो उनसे कहि, "तुमही नए बिनके कुछ खानक देओ |"तओ बे बोसे कही, "क हम जाएके दुई सओ दीनारको रोटी किनके बिनके खान देमाए ?"
३८ बो उनसे कहि, "तुमर संग कित्तो रोटी है ? जाएके देखओ |" और पत्ता लगाएके पीछू बे कहि, "पाँच रोटी और दुई मछरी |"
३९ और बो आदमीनके हरो चउरमें दल बाँधके बैठन हुकुम करी |

४० बिनके सओ सओ और पचास-पचासके लाईन लगएके बैठे |
४१ बो तओ पाँच और दुई मछरी लई स्वर्ग घेन देखके आशीर्वाद दई, और बो रोटी तोड़ी और आद्मिनके आगू धरदई आऊ चेलनके दई, और बे दुई मछरी फिर बो बाँटन दई |
४२ और सब खाई और तृप्त हुईगए |
४३ पीछू चेला रोटी और मछरीक उबरे ख़ुदरा खुदरी बाह्न डालैया भारके उठाँइ |४४ रोटी खानबारे लोग पाँच हजार रहै |
[येशु पानी उपार नेगी]
४५ और बो तुरन्त अपनो चेलन संग नैयाम चढके बोपार बेथसेदामें बो अपनेसे अगु जनके कही, और उतिया खिन बो भीड़के बिदा दई |
४६ उनसे बिदा हुईके बो डाँगामें प्रार्थना करन गओ |
४७ सन्झा हुईगओ नैया समुन्दरके बिचमें रहै, और बो चाहि अकल्लो पाखामे रहै |
४८ चेलनके नैया चलन कर्रो होतरहै, बो देखि, काहेकी आँधी उनके बिपरी रहै |तिन बाजे सुबेरे बो उनके ठीन समुनदार में नेगतअओ, और उनसे अगु जानलगो रहै
४९ बे बोके सामुन्दर उपार नेगत देखके प्रेत हए कहिके, और चिलाने |
५० काहेकी बोके देखके सब डरइगए रहै |तओ झट बो उनसे कहि, "ढाड्स कर, मए है, मतडरओ |"
५१ और बो उनके संग नैया भीतर चढिगओ, और आँधी थमिगाई |और बे एकदम अचम्मित भए,
५२ कहेकी बे रोटीके बारेमे बात बूझी नएरहै, तओ बिनको ह्रदय कठोर हुईगओ रहै |
५३ समुन्दर पारकर्के पीछू बो गनेसरेतके मुलुक्मे आईपुगे, और बे नैया किनारे लगाई |
५४ जब बो नैयासे निकरन भाव खिनक आदमी येशुके चिन्लाई,
५५ और छेउछाउके जम्मा गाउँके बे दौरत, और जहाँ येशु हाए करके सुनी बोहुवा बिरामिनके बिछौनीयमें धरके लान्लगे |
५६ और गाउमें सहरमें और बस्तीमें जहाँ जहाँ बो घुसो, आदमी रोगिन बजार बजार धरदाई, और बोक कुर्तक किनरे मात्र छुन पामाए करके बे बोसे बिन्ती करी, और जीतो छोई बे सब अच्छे भए |

[शुध्द और अशुध्द]
७ अध्यया
१ यरूशलेमसे आए भाए फरिसी और शास्त्री येशुके चारैतरफ जामा हुईगए |
२ येशुक कितो चेला अशुध्द हात, अथबा नधोएके हातसे खात बे देखि |
३ फरिसी और सब यहूदीनके पुर्खान दओ परम्परा अनुसार हात नधोए खानु खात नएरहै् |
४ बजारसे आएके हदाएके शुध्द नभए तक बे खानुनए खातरहै् |इतकाए इकल्लो नएकी, बे आईसे बहुत परम्परा मानत रहै् |अथबा् कटोर, भाण और काँसोक भाँण धोनक परम्परा |
५ तओ फरिसी और शास्त्री बोसे पूछी, "तुमर चेला दाव-पुर्खा धारो परम्परामें कहेन चलतहै्, और अशुध्द हातसे खातहै ?"
६ तओ बो उनसे कही, "यशैया तुमए कपटीनके बारेमे ठिक आइसे अगमवाणी करी, आइसो लिखो है, "जा जाति मोके ओटसे मात्र आदर करथै, और उनको ह्रदय मोसे दूर है |
७ बे व्यर्थमें मेरो उपासना करथै् ,और उन को शिक्षा आदमीक सिकओ बिधी मात्र है् |"
८ बे परमेश्वरको आज्ञाके छोडके आदमीनको परम्परा मानथै |'

९ बो उनसे कहि, "तुम अपन परम्परा मन्न ताहि कितो अछेसे परमेश्वरको आज्ञाके टारदेथै |"
१० काहेकी मोसा कहि है , "अपन आइय-दावके आदर करओ, और जो आइय-दावके बिरुध्दमें खरब बोलाईगो बो मारनए पडइगो |"
११ यदि कुई आदमी दाव वा आइय "मोसे जो-जीतो मदत तुमाए मिलन पडईगो बो कुर्बान हाए, [अथबा परमेश्वरको चढाऔ]कहातहै,
१२ और तुम उनके अपन आइय-दावके ताहि फिर कुछ कर्न नाएदेथै |
१३ आइसे तुम अपनों चलीअओं परम्पराके कायम रखके परमेश्वरको बचन के राद करथै |और आइसे अनेक काम तुम करथै |"
१४ बो आदमिनके फिर अपन ठीन बुलाई उनसे कहि, "तुम सब मेरी बात सुनौ और बुझओ |
१५ आइसी कोई बात नैया जो बाहिरसे आदमिन भीतर घुसके अशुध्द परपैहै, तर आदमीसे बाहिर निकरत हाए बहे बात नैआदमीके अशुध्द करतहए |
१६ जा उनको सुन्न कान है बो सुनए |"
१७ आदमीन छोडके घर भीतर घुसके पीछू बोके चेला बोसे कहानीके बारेमे पूछी |
१८ बो उनसे कहि, "क तुम हबाए और अबूझ है ? जो बाहिरसे आदमीके भीतर घुसथै बो बाके अशुध्द नए करथै करके तुम नए जानथै ?
१९कहेकीबो बाके हृदयमे नए, तर पेटभितर हुसथै, और बाहिर निकरत है |आइसे बो सब खानु शुध्द है करके बातईदई
२० बो कहि, "आदमीसे जो बाहिर निकरत है बो आदमीनके अशुध्द करतहै |
२१ कहेकी भीतरसे, अथबा आदमीक हृदयसे खरब बिचार, व्यभिचार, चोरी, हत्या, परस्त्रीगमन,
२२ लोभ, दुष्टता, छल, छाडापन, ईष्या,निन्दा, घमण्ड, मुर्खता निकरत है |

२३ जे सब दुष्ट बात भीतरसे निकरत है, और आदमीके अशुध्द परत हैए |

[सिरिया-फोनिकेकी बईयार]
२४हुअसे उठके बो टुरोस और सिदोनक सीमा घेन जाएके एकघर भीतर घुसो |जा बात कुई पता नयपामए करके बो चाहत रहै, तओ बो लुकनएपाई |
२५ बहे बेरा एक बैयर बाके बारेमे सुनी और आएके बाके पाउमें पाढी-बो बैयरकी लौडीयके अशुध्द आत्मा लागोरहै |
२६ बो सिरिया फोनिकेमे जान्मी एक ग्रीक बैयर रहै |बो बैयर अपन लौडीयक भुत निकरदे करके बोदे बिन्ती करी |
२७ बो बासे कहि, "पहिले लौडा-लौडीयन के खान देओ, कहेकी लौडालौडीयक रोटी लईके कुत्तानके अगु फेक्नो ठीक नाएहै |"
२८ तओ बो बासे कहि, "हए प्रभु , तओ कुताओ ता फिर लौडालौडीलयक टेबुल तरेक डुढो बिनके खातहै |"
२९ बो बासे कहि, "ताए अइसो कहोके कारन तए घर जा |तीर लौडीयसे भुत निकर गाओ है |"
३० तओ घर गई और लौडीयक खटीयामें सोत पाई और भुतबासे निकरगओ रहै |
[बाहिरा और गुगो आदमी]
३१टुरोसको इलाकासे निकरके बो सिदोन हुइके डेकापोलिसको सिमानाके बिच हुईके गालील-समुन्दरमें गओ |

३२ हुवाँ आदमी एक बाहिराऔर गुगो आदमीके बोकेठीन लियई, और बाके ऊपर हात धारदे कारके बोसे बिन्ती करी |
३३ बोके भिडसे अलग एकान्तम लईगओ येशु अपन उङरी बाके कानमें लैगऔ |तओ पीछू थूकके बाकी जिबमें छोई |
३४ और स्वर्ग घेन देखके लम्मी सास लई बोसे कहि, "ईफ्फाता,"अथब् "खुलिजा |"
३५ उतिया खिन बक कान खुलिगओ, और बाकि जिबको बन्धन खुलीगओ, और बो स्पष्ट बोल्नलगो |३६ "जा कोईसे मत्कहिए," करके बो उनके आज्ञा दई |तओ जीतो-जीतो बो आदमिनके आज्ञा देतरहै, झान् जाधा उत्साहसाथ बे जाको घोषणा करतरहै |
३७ आदमी अचम्मो मानके छाक पडतरहै, और कहाँन लागे, "बो सब चीज अच्छो करीहाए |बो बहिरान सुन्न और गुँगान बोलन तक फिर बानई |"

[येशु चार हजारके खाबाई]
८ अध्यया
१ बे दिनमें फिर एक भारी भीड़ जम्मा हुईगओ, तओ उनके ठिन खानबारो चीज कुछ नए रहै |तओ येशु चेलनके अपने ठिन बुलाएके कहि,
२ "जा भीड़के मोए डाह लागत हाए, कहेकी जे मीर संग रहात तिन दिन हुईगओ,और यिनकेसंग खानबारो चीज कुछ नएहै |
३ और अगर इनके भूखे घर पढएहै, तओ जे डागरमें फेन्ट हुईजएहै |इन्माईसे कुई-कुई दुरसे अएहै |"
४ बोके चेला बोसे कहि, "जा निर्जल ठाउँमे यिनके कहाँसे रोटी खाबमए ?"
५ बो उनसे कहि, "तुमरे ठिन कए रोटी है,?"बे कहि, "सात हए "
६ बो भिडके भुइमे बैठन हुक्म दई, सात रोटी हातमे लई धन्यबाद दैके रोटी तोरी,और आदमीन अगु धरनके चेलनके दै, और बे आदमीक अगु धारदई |
७ बिनके ठिन कुछ छोटी छोटी मछरी फिर रहै, और बो आशीरर्वाद दईके बहु फिर उनके अगु धार्न लागइ |
८ और आदमी खाई, और तृप्त भए |और उबरो खुदरा बे सात डालईय बाटोरी |
९ बोहुवा लगभाग चार हजार आदमी रहै |
१० बो उनके बिदा करके पठाई, और बोचही अपन चेलन संग तुरन्त नैयाम चढके दलमनुथाके क्षेत्रमे गओ |
११ फरिसी बाके कहाँ अए बोसे बहस करन लगे, और बोके परीक्षा करन ताहि स्वर्गसे एक चिन्ह मागी |
१२ अपन आत्मामें लम्मो सास लईके बो कहि, "जा पुस्ता काहे चिन्न ढुणत है ? पक्कय, मए तुमसे कहत है ? जा पुस्ताके कुई चिन्न मिलेहै नए |"
१३ और उनके छोडके बो फिर नैयामें चढके बोपर गओ |
[फरिसीक और हेरोदको खमीर]
१४ चेला अपन संगमें रोटी लैजन भूलगए, और नैयामें बिनके संग एक मात्र रोटी रहै |
१५ येशु चेलन के अईसे करके चेताबनी दई, "तुम फरिसीनको खमीर और हेरोदके खमीरसे होशियार रहिओ |"
१६ तओ बे संगमे रोटी नहै बाहेमरे येशु कही है, करके बे आपसमे बहस कर्न लगे |
१७ येशु जा थह पाए के बिनसे कहि, "तुमर संग रोटी नएहै, तओ काहे तुम बहस कर रहै ? का तुम हाबै फिर देख्तनएहौ और बूझतउनएहै ? का तुमरो मन कठोर हुईगओ है ?
१८ आँखी है ताहू फिर देखत नईय ? कान है ताहू फिर सुनत नईय ? का तुमए याद नएहै

१९ जब मै पाँच रोटी बे पाँच हजारके बिचमें तोरो रहै, तओ कित्तो डलईया खुदरखुदरी तुम बटोरे रहौ ?" बे बोसे
कहि, "बाह्व |"
२० और जब बे सात रोटी चार हजारके बिचमे तोरो रहै, तओ कित्तो डलईया बटोरे रहौ ?"बे बोसे कहि, "सात |"
२१ बो उनसे कहि, "तओ का तुम हाबए बूझतनैया ?"

[बेथसेदाक अन्धर आदमी]
२२तओ पीछू बो बेथसेदामें अओ, और आदमी एक अन्धर आदमीके बोके ठिन लाई, और बाके छुइदे करके बसे
बिन्ती करी |
२३ बो, बा, अन्धर आदमीक हात पक्ड़के, बक गाउँसे बाहिर ल्याई, और बक आँखीम थुकके, बक उपर अपन हात
धरी, बसे पूछी, "क तए कुछ देखत है ?"
२४ और उपर देखके बा कहि, "मए आदमीनके रुखा कत्ता नेगत देखत हौ |"
२५ तओ बो फिर बक आँखीम हात धरी, और एक टक लागएके देखि बा अपन दृष्टि पाएइगओ और सब चीज
छर्लङग् देखन लगो |
२६ तओ बो बके गाउँ हुईके नए जानके हुक्म करके बाके घर पठई |

[पत्रुसको सुइकार]
२७ येशु और बोक चेला कैसरिया फिलिप्पीक गाउँमें गए |डगरमें जात करत बो अपन चेलनसे आइसे करके
पूछी, "आदमी का कहथै, मए कौन हौ ?"
२८ बे बोसे कहि, "कोई कहतहै 'बप्तिस्मा-देनबरो युहन्ना |"और कोई 'एलिया, और कित्नो कहत है, अगमवक्ता
मध्ये एक जनै |"
२९ तओ बो उनसे पूछी, "तओ तुम का कहतहै, "मए कौन हौ ?"पत्रुस उत्तर दईके बोसे कहि, " तुम ख्रीष्ट हौ |"
३० बो उनसे कहि बोके बारेमे कोईके मत कहिओ करके आज्ञा दई |

[अपन मृत्युकबारेम येशुक भविष्यवाणी]
३१आदमीक लौडा बहुत दुःख भोगन, और धर्म-गुरुसे, मुख्य पुजाहारीसे और शास्त्रीसे इन्कार करनो और मरनोऔर
तिन दिनपीछू जिन्दा हुईके उठ्नो आबश्यक है " करके बो उनके सिक्न लागो |
३२ अइसे बो जा बात प्रष्ट कहन लगो |तओ जा सुनके पत्रुस बोके एकघेन लैजएके हकार्न लगो |
३३ तओ घूमके अपन चेलन देखि, पत्रुसके बो अइसे करके हप्काई, "शैतान मीर ठीनसे हटीजा, कहेकी तेरो मन
परमेश्वर घेननईय, आदमी घेन है |"
३४ तओ बो अपन चेलनके संगमें भीड़के अपने कहाँ बुलएके उनसे कहि, "कुई आदमी मीर पीछू लाग्न इच्छा
करतहै, तओ अपनएके इन्कार कराए,और अपनों क्रूस उठाएके मेरे पिछु लागए |
३५ कहेकी जौउन अपन प्राण बाचनके इच्छा करतहै, बो बाके गुमाबैगो, तओ मेरे और सुसामाचारके ताहि अपन
प्राण गुमएहै बो बाचबैगो |
३६ काहेकी आदमी सारा जगत हात पारके अपनों प्राण गुमाएके बाके क फाईदा हुईहै ?
३७ अथबा आदमी अपनों प्राणके बदलामें क दाए पैहै ?
३८ और जा व्यभिचारी और पापी पुस्तामें जो मोके देखके और मेरो बचन देखके शर्मयहै, आदमीन को लौडा फिर
अपन पिताके महिमामें पबित्र दूतसंग आत बोके देखक शर्मयहै |"

९ अध्यया

१और बो उनसे कहि, "नेहतओ, मए तुमसे काहत हौ, हिया ठाँढे भाए मैसे कुई-कुई हाए, जउन परमेश्वरक राज शक्तिम आओ नदेखेस कुई किसिमसे मृत्यु चखंगेनाए |

[येशुक रूप बादलो]
२ बको छए दिन पीछू येशु पत्रुस, याकूब और युहन्नाके बो अपन संग लई, एक उचे पहाड़में लईगओ | हुवा बेही इकल्ले रहै, और बिनके सामने बोको रूप बदलगओ |
३ और बाको कुरता चमकनलागो और इतो सेतो भव, की पृथ्वीमें कोई फिर धोइके इतो सेतो करनए पैहै |
४ बोहुवा बिनके एलिया और मोशा देखापरे, और बे येशुसे बातचीत करत देखि |
५ पत्रुस येशुसे कहि, "गुरुज्यु, हम हिया हाए अच्छो भाव |हम हिया तीन बासस्थान बानमाए, एक तेरे ताहि, एक मोशाके ताहि और एक एलियाके ताहि |"
६ बे गजब डरएके कारण बे का कहाँमै सो बे नएजानी |
७ और एक बादर आएके बिनके तोपदै, और बादरसे एक आबाज निक्रो, "जा मीर प्यारो लौडा है, तुम बाको बचन सुनिओ |"
८ और झट आसपीस देखके बे अपन संगमे येशु बाहेक और कोइके देखिनाए |
९ बे पहाड़से उतरतपेती येशु उनसे कहि, "आदमीक लौडा मरके जिन्दा नाहुईहै, तुम जा देखेहौ जा कोइके मतबातैओ करके आज्ञा दई |
१० बे जा बात अपन मनमे धारेरहै, तओ मरके जिन्दा होनो कहोको का है कहिके आपसमे बातचीत करन लागे |
११ और बे बोसे आइसे करके पूछी, "पहिले एलिया आनपडइगो करके व्यवास्थाक शास्त्री काहे कहत है ?"
१२ येशु कहि "नेहतओ नए, एलिया पहिले से आईगाव है, और सब बातक पुनर्स्थापना करईगो |तओ आदमीक लौडा बहत कष्ट भोगईगो, ओरसे तिरिस्कार हुईहै, करके धर्मशास्त्रमे लिखोहै ता ?"
१३ तओ मए तुमसे काहत हाव, एलिया आईगाव है, और उनके बारेम लिखो बामोजिम उनके संग जो मन लागो बे उईसी करी |"

[भुत लागो बाच्चा]
१४ बे और चेलनके ठिन घूमके आत बे एक बाहुत भारी भीड़ घेरत और बिनके संग शास्त्री बहस करत बे देखि |
१५ जम्मए भीड़ बोके देखतए गजब अचम्मो मानी, और बोके कहाँ दौरत गए बोके अभिबादन करी |१६ बो उनसे पूछी, "तुम उनसे कौन कौन बहस करथौ ?"
१७ भीड़से एक जनै बोके जबाफ दई, "गुरुज्यु , मेरे लौणक गुँगो करन् बारो आत्मा लागो है, और तुम ठिन लाव हौं |
१८ जब जा मीर लौणक पकणत है, तओ बोके भुईमें गिरत है, और बक मुहुसे फुफ्ना काढात है, और बो दात कट काटत है, और बो आइठ जातहै |मए तुमरे चेलन से भुत आत्मा निकर देओ् करके बिन्ती करो, तओ बे सिकिनाए |"
१९ तव बो उनके जबाफ दई, " ए अविश्वासी पुस्ता, मए कहाँ तक तुमरेसंग रहै ? मए तुमके कित्तो सहमव ? बोके मीर ठिन लियाव |"२० बे बो लौणके बोके ठिन ल्याई |येशुके देखिखिन्कबो आत्मा लौणके फत् फत्बाई, और बो भुईमें गिरके फूफ्ना कढात लौट पाउट करन लगो | २१ बो बक दवासे पूछी, "कबसे जक आइसो भाव रहै ?" बा कही, बच्चासे |२२ जाके नाश करन बारों आत्मा घरीघरी आगी और पापीमें गिरत रहै |यदि तुम कुछ कर्पाथौ तओ, दया करके हमै मद्दत कर्देव |"२३ येशु बोसे कहि, "तुम सिकडरैगे!' कहिके का कहो? विश्वास करन् बारेक

ताहि सबए बात सम्भब है |"२४ तओ झट लौणक दौवा चिलएक कहि, "मए विशवास करथौ |मीर कमजोर विश्वासमें मोके सहायता कर |"२५ तओ भीड़ एकसंग दैडके आत देखके बो बा अशुध्द आत्माके आइसे करके हप्कई, "ए गुँगो और बहिरा आत्मा, मए तोके हुक्म करथौ, बासे निकर्के अएजा, और फिर कबहू बोभितर मतघुसीए |"

२६ और चिल्लायके बो लौणके गजब जोडक फत् फत्बाएके बो आत्मा निकरगओ, और बो बच्चा मुर्दा कत हुईगाव, हिया तकी बाहुत कहाय मरीगव करके कहत रहै |२७ तव येशु बाको हात पकडके बाके तुरंत उठाई, और बो उठो |२८ और जब बो घरमें गाव, ताव बोके चेला चुपाए आइसे करके पूछी, "हम बोके काहे नाए निकर पाए ?" २९ बो उनसे कहि, "जा किसिमक चाहिँ प्रार्थना बाहेक और कोई उपायसे भाजन नएसीकैगो |"३० और बोहुवसे निक्रके बे गालील हुइके गाए |जा बात कोई पाता नापमैकरके बोकी इच्छीय रहै, ३१ कहेकी बो अपन चेलनके शिक्षा देतरहै |बो उनसे कहि, आदमीक लौण आदमिनके हातमें सुम्पो जाएहै, और बे बोके मारड्गे,और बो मार्के तिनपीछू फिर जिन्दा हुईके उठ्जाएहै |"३२ तव बो कही बात बे बूझनए पाई, और बोसे पूछन् डारईगाए |

[बाड़ोँ कौन हए |"]

३३ बे कफर्नहुममे आए, और घरमें रहै तबही बो उनसे पूछी, "डगरमें तुम का बहस करत रहै ?"३४ ताव बे चुप रहै, कहि डागरमें बे "हामए में सबसे बड़ोँ कौन हए ?" करके आपसमे बहस करीरहै |३५ ताव बो बैठो, और बाहौँ जनैक बुलाई,और उनसे कहि, "कुई आदमी पहिले होन इच्छया करेहै ताव, बो सबसे पीछू और सबको सेबाक होनपडईगो |"३६ और एक छोटो बच्चा लैके, बो बोके उनके बिचमे धरी, और बोके गोदिम लैके बो उनसे कहि, ३७ "जउन अइसो छोटो बच्चामैसे एक जनैक मेरे नाउँमे ग्रहण करेहए, बो मोके ग्रहण करेहए, और जउन मोके ग्रहण करेहए बो मोए नए, तव मोके पठानबारेके ग्रहण करेहए |"३८ युहन्ना बोसे कहि, "गुरुज्यु,एक आदमी तुमर नाउँमें भुत निकरत हम देखे |हम बाके अईसे करन मानही करे, काहेकी बो हमर पीछू लाग्न बरो मानई नैयाँ |"३९ तव येशु कहि, "बोके मनही मत करौ, कहेकी मेरे नाउँमे शक्तिक काम करन बाले तुरंत मेरे विरुध्दमें खराब बोलैगो नए |४० कहेकी जउन हमरे विरुध्दमें नैयाँ, बो हमरे पक्छमे हए |४१ कहेकी जउन तुमए ख्रीष्टक हौ, करके तुमए मेरे नाउँमें एक कटोरा पानी देहाए, नेहतोव मए तुमसे कहतहौ, बो कोई किसिमसे अपन इनाम गुम्बैगो नए |

[बाधा देनबारेक चेतउनी]

४२"जउन् मीर ऊपर विश्वास करन् बाले जे छोटे मैसे एक जनैके बाधा देबैगो, बोके ताहीं त बरु एक बड़ो चकियाको पत्थर बोके घेंटमे बहेके समुन्दरमे फेकदेन अच्छो रयहए |

४३ अगर् तुमर् हात तुम्के बाधा देथए कहेसे बहेके काटदेव |दुई हात हुइके नरकको नए बतन् आगि मे जान्से गुंगा हुइके जीवन बितान् अच्छो हए|

४४ [नरकमे न त् किरा मरत्हँए, नए आगि बुतत् हए]

४५ औ तुमर् टाङ तुम्के बाधा देथए कहेसे बहेके काटदेव |दुई टाङ हुइके नरकमे फेकदेन् से अच्छो अपड्गा रहिके जीवन बितान् अच्छो हए |

४६ [नरकमे न किरा मरत्हँए, नए आगि बूतत् हए]

४७ अगर् तुमर् आँखी तुम्के बाधा देहए कहेसे बहेके नकार्के फेकदेव |दुई आँखी हुइके नरकमे फेकन्से अच्छो त एक आँखी हुइके परमेश्वरको राज्यमे घुसन् तुमर् ताहीं अच्छो हए |

४८ नरकमे न त् किरा मरत्हँए, नए आगि बूतत् हए|

४९ काहेकी हर एक जन आगि से नुनाइन करो जाइगो |

५० नून अच्छो हए, पर अगर नूनको स्वाद चलोगव कहेसे बोके कासे स्वादित करवगे? अप्नेमे नून धरव, और

आपस मे मेलमिलाप से रहाव |

[वेहाविच्छेद]

१० बो ठाउँके छोडके यर्दन नदीयके पार यहूदियाके इलाकामें येशु गओ और भीड़ बोके ठिन ईकठा भाए, और बोको रीतिआनुसार बिनके फिर शिक्षा दई |२ फरिसी बाके कहाँ आए बोके परिक्षा करके पूछी, "का कुई आदमी अपनी बैईयरके संग छुटपत्तर करन ठीक हाए की नए? ३ बो उनके जबाफ दईके कहि, "मोशा तुमके का आज्ञा दैहै?"४ बे कहि, "एक छुटपत्तर लिखके आदमी अपनी बैईयर छोणन मिलथै करके मोशाक अनुमति दईहै |"५ तव येशु उनसे कहि, "तुमरो मनको कठोरतक करण बो तुमरे ताहि जा आज्ञा लिखिदई |६ ताव सृष्टिके सुरुसे परमेश्वर उनके नर और नारी करके बानई है |७ जाहे करण आदमी अपन दवा-अईया छोडके अपनी बैयारसंग मिलिरहतहै, ८ और बे दुई जनै एक शरीर हुईहए |' बे फिर दुई नाए, ताव एक शरीर होथए |९ जाहेमरे परमेश्वर जैनक एकसंग जोड़ी है, आदमी बाके नाछुट्यमए |"१० घरमें होत चेला फिर जाके बारेमें येशुसे पूछि |११ बो उनसे कहि, "जौन अपनी बैयरसंग छुटपत्र करके दुसरेसंग बिहा करेहै, बो उनके बीरुध्दमें व्यभिचार करेहै |१२ और यदि बैयार अपनों लोगासंग छुटपत्र करके दुसरेसे बिहा करहै, बो व्यभिचार करेहै |"

[बाल बच्चनके येशुक आशीर्वाद]
१३ आदमी "छोटे बाल बालिकन के येशु छुईदेबै करके बोके कहाँ ल्याई, ताव चेला बिनके हकारी |१४ ताव जा देखके येशु दिकाए गओ, और उनसे कहि, "छोटे बाल बालिक्न मेरे ठिन अनदेओ, बिनके मत रोकओ, कहेकी परमेश्वरको राज अईसिनको है |१५ नेहतओ मए तुमसे कहतहौ, जउन परमेश्वरक राज्य एक छोटो बालक जैसो ग्ररण नए करेहै बो कदपि बो भीतर हुसनए पैहै |"१६ और बो उनके गोदिम लैके बिनके उपर अपन हात धारके आशीर्वाद दई |

[धनी आदमी और स्वर्गक राज्य]
१७येशु डागरमें जात करत रहै, एक आदमी दौड़के आएके बोके अगु घुप्टा पढके, और बोसे पूछी, "हे असल गुरु, अनन्त जीबन पानके ताहि मोके का करन पणईगो ?" १८ येशु बोसे कहि, "ताए मोके कहे असल कहतहै? एकमात्र परमेश्वर बाहेक और कोई असल नईयाँ |१९ तुम आज्ञात जानथौ, अर्थात् हत्या मत् करए, व्यभिचार मत् करए, मत चूरइय, झुटो गबाही मत दिए, मत ठग्गिए, अपन दवा और अइयाके आदर करिए |"२० और बा बोसे कहि, "गुरुज्यु जा त सब मए मेरे जामन अबस्थासे नै पालन करो हौ |"२१ येशु बोके देखि, और माया करके कहि, "तोए हबाए एक बात और कमी है | जा, और तेरो जीतो है् बेचके और गरीबके देए, और तोके स्वर्गम सम्पति मिलैगो |और आएके मिर पीछू लाग |" २२ तव जा बातसे बाको अनुहार उदास हुईगाव,और बा दुखीत हुईके गईभाव, काहेकी बोकेसंग बहुत धन-सम्पति रहै |२३ और असपिस देखके येशु अपन चेलनसे कहि, "धनीके परमेश्वरके राज्यमें घुसन कितो अग्ठो है |"२४ बो कहि बातमें चेला अचम्म मानी |तव येशु फिर उनसे कहि, बालक हो,धन-सम्पति उपर भरोसा रखन बारेके परमेश्वरको राज्य भीतर हुस्न कितो अग्ठो है |२५ धनी आदमीके परमेश्वरके राज्यभीतर घुस्नेसत बारू सुईको भारसे ऊँटके छिर्न सजिलो हए |"२६ बे गजब अच्म्मो मानी और बोसे कहि, "तव अईसे कउन बच्पएहै ?"२७ येशु उनके देखके कहि, "आदमीके ताहि जा असम्भब हए, और परमेश्वरके ताहि नईयाँ, कहि परमेश्वरके ताहि सब बात सम्भब हए|"२८ पत्रुस बोसे कहि, "देख,हमत सब छोडेहै, और तुमर पीछू लगेहै |"२९ येशु कहि, "नेहतओ मए तुमसे कहतहौ, जौन मीर ताहि और सुसमाचारके खातिर घर

और दादा-भाई, दीदी-बहिनियाँ, अईयाँ, लौण-लौणिया और जगहाँ जामिन जाहे समयमें पाबैगो, और आन्बारो युगमें अनन्त जीबन |३१ तव बहुत अगु होनबारे पीछू, और पिछु होनबाले अगु हुईहै |"

[अपन मृत्युके बारेमे येशुक भविष्यवाणी]
३२ बो यरुशलेम घेन जातरहै, और येशु उनके अगु अगु नेग्तरहै |चेला अचम्मो मानी, और पीछू पिछु अन्बारे भयभीत भाए, तव बो बार्हैं चेलनके फिर एकघेन लैईजएक् अपने उपर पणनबारी बात सुनाई |३३ बो कहि, "देखओ, हम यरुशलेम घेन जतहै |हुवा आदमीक लौणक मुखिया पुजाहारी और शास्त्रीके कहाँ सोम्पिदेहै, और बे बाके मृत्युदण्ड देहै, और अन्यजातिनके हातमें सम्पदेहै् |३४ और बे बोके गिल्ला क्रङग्े् और बोके ठुक्ङग्े् ,बोके कोर्रा ल्गाहए् और बोके मारङगे |तव तिन दिन पिछु बो फिर जिन्दा हुईके उठजहै |"

[याकूब और युहन्नाकी बिन्ती]
३५ जब्दियाक दुई लौण, याकूब और युहन्ना बोके कहाँ आएके कहि, "गुरुज्यु, हम तुमसे जो मागङगे तुम हामर ताहि करदीओ् करके हमर इच्छय हए |"३६ बो उनसे पूछी, "तुमरे ताहि मएका करदेमौ करके तुम इच्छय है ?"३७ बे बोसे कहि, "तुमर महिमामें हामए मध्य एक जनैक, तुमर दहिना धेन, और दुसरेक, तुमर दिबरा धेन, बैठन पामए करके मंजूरी हमके देबौ |"३८ तव येशु उमसे कहि, "तुमका मगतहौं सो तुम नए जनथौ |का जौन कटोरा मए पिहाओ, बो तुम पिनाए पैहौं ?"अथबा जौन बप्तिस्मा मए लावहौं , बो बप्तिस्मा तुम लाए नए पैहौं ?"३९ बे उनसे कहि, "हम सिक्डारंगे |" येशु उनसे कहि, "जौन कटोरा मए पित् हौ, और जौन बप्तिस्मा मए लौव हौं |बो बप्तिस्मा तुम लेबैगे |४०तव मीर दहिना घेन और मीर दिब्रा घेन मए नाए देहौं, जा त जौन-जौनके ताहि तयार हुइगाओ, हए बिन्ही के ताहि हए |"४१ जा सुनके दसौ जनै चेला याकूब और युहन्नासंग दिक्कए गए |४२ ताव येशु बिनके अपने ठीन बुलएके कहि, "तुम जनथौ की अन्यजाति उपर शासन करन बारेनके हाकिम समझत हए |बे उन पर अधिकार चलतहै |और बे बाणे बाणे बिनके उपर अधिकार चलत है |४३ तव तुमरमें अईसो नए हुईहए |तव तुमरमे जौन बाणे होन इच्छय करतहै बो उनके सेबक होन पणईगो |४४ और सबसे जो कुई मालिक होनचाहत हए, बो सबको सेबक होन पणइगो |४५ काहेकी आदमीको लौण सेबा पानके नए, बाल्की सेबा करन और बहुतनको छुटकार्क मोलके ताहि अपन प्राण देनक अवहए |

[अंधरा बारतिमै]
४६ तावपिछु बो यरीहोमें अओ, और बो अपन चेलन और भारी भीणसहित यरीहोसे निक्रात पेति, तिमैक लौण बारतिमै, एक अंधरा भिखारी रहै, डागर किनारे बैठोरहै |४७ जब बो नासरतको येशुहै करके सुनी, तव चिलाएके बो कहान लागो, "हे येशु दाऊदको लौण, मीरउपर दया कर |"४८ तव बहुत बके चुप लाग करके हप्कई |ताव बो बहुत जोणक चिलन लागो, "हे येशु दाऊदको लौण, मीरउपर दया कर |"४९ ताव येशु टक्क दाए रुकिगओ और कही, "बके बुलाओ |"और बे बो अंधराक अइसे करके बुलाई, "ढाडस कर, उठ्, बो तोके बुलातहै |"५० और अपनों कम्मर फेक्के बो तुरंत उठीगओं और येशु कहाँ अओ |५१ येशु बासे कही, "ताए का चाहत है, मए तीर ताहि का करौ ?"बो अंधरा आदमी बासे कही, "रब्बी, [गुरुज्यु] मए देख पामौ |"५२ और येशु बासे कही, "ताए अपन डागर लाग | तीर विश्वास तोके अच्छो करीहै |"तब बो तुरंत देखन लागो, और डागरमें येशु पीछू पीछू लाग्ओ |

[यरुशलेममें येशु घुसो]
११ अध्यया १ जब बो यरूशलेमके नजिक जैतून डाङ्गाके जौणे बेथफागे और बेथानिया कहान बारो ठाउँमें आइपुगे, तव बो अपन चेला मैसे दुई जानैके अईसे करके पाठई, तुमरे अगुक गाउँमें जओ, और तुम हाबए तक

कोई आदमी नएचणो एक गधाहक बच्चा पैहौ |बाके खोलके हियाँ ल्याबौ, |३ "कोई तुमसे कुछ ' जा का करथौ ?'कुई कहाए, ' प्रभुके जाकी जारूरत हाए, और बो जल्दी घुमाए दिबैयाँ हए' कहीओ |"४ तव बे गए, और बो बाछ्रा खुलो गल्लीमे एक घरके बाहिर घेन फाटक ठिन बाधो पाईगए,और बाके खोली |५ बोहुअ ठाणे मैसे कोई-कोई उनसे पूछी, "बाछ्राके खोलके तुम का करथौ ?"६ येशु उनके अढाई बहेक्ताबे कही, और बे उनके जन्दाई |७ बे बाछ्रा येशुक ठिन ल्याई, और अपन कुर्ता बाके उपर धार्दाई, और बो बाके उपर बैठगओ |८ बाहुत अपन कुर्ता और मैदानमें पत्ता कटके डागरमें बिछई |९ और बोके अगु अगु नेग्नबारे और पिछु पीछु आनबारे अईसे कहात जय ध्वनी लगाई, "होसन्ना! धन्य बो, जो परमप्रभुके नाउँमें अओ है !१० धन्य हए, हमर पिता दाऊदके बो अनबारो राज्य, पारमधाम्मे होसन्ना !"११ बो यरूशुलेममे अएके मन्दिर भीतर कुच्चो |और बोके असपिससबके उपर नजर करके पीछू, आबेर
भाव बहेमारे बार्हे जनैसंग बो बेधानिया गईभओ |

[येशु मन्दिरके शुध्द करी]
१२ कल बो बेधानियासे अतबो भुखानो १३और दुर्मे पतासे भारो एक अञ्जीरको रुखा देखि कहि कापता जम्कुछ फारा पैहै कारके बो गओ, ताव हुवा पुग्के बो पतासे सिबाए कुछ नएपई,काहेकी बे समय अञ्जीरक फारा फारन्क समय भाव नए रहै |१४ तव बो बा रुखासे कहि, "अब उईसो कोई फिर तेरो फारा नखमै |"और जा कहत बक चेला सुनत रहै |१५ और यरूशलेममे पग्के पीछू बो मन्दिर भीतर गुचों, और मन्दिरमें कीनन बारे और बेचन बारेके बाहिर निकरी और रुपैइया बदलन बारेक टेबुल और परेबा बेचन बारे ठाउँ सब पलटाइ दई |१६ बो मन्दिरसे कोईके कुछ चीज लैजन दैनाए |१७ और बो शिक्षा देन्लागो, "का आइसो नालिखो है, मीर घर सब जातिनके ताहि प्रार्थनाक घर कहोजएहै?"तव तुमत जाके डाकुको अड्डा बनाए हौ |१८ और मुखिया पुजाहारी और शास्त्री जा सुनके बोके कईसे नाश करए करके उपाय निकार्न लागे |काहेकी बे बोसे डारतरहै, काहेकी सारा भीण बोके शिक्षामें अचम्मो मानत रहै |१९ सन्झा भाव बो सहेरसे बाही निकारके गओ |
[विश्वासकि शाक्ति]
२० सुबेरे हुवसे पहिली डगर जातरहै बे बो अञजीरक रुखाके जारसे सुखो देखि |२१ और पत्रुसके याद आईगई, और बा बोसे कहि, रब्बी, [गुरुज्या]देख, तुम सराप दाव अञ्जीरक रुखा ता सुखो हए |" २२ येशु उनके जबाफ दईके कहि, "परमेश्वर
मे विश्वास कर |२३ नेहत्वा मए तुमसे कहत है,यदि कुई अपन हृदयमे शंखा नए करेहै, और अपनों कहो बात पूरा हुईहै करके विश्वास करेहै, ताव जा पहाण 'उखार्के ताए समुन्दार गिरजा,'कएहौ ताव, बाकेताहि उईसी हुईजाएहै |२४ जाहेमारे मए तुमसे कहत्हौ, तुम प्रार्थनामें जो मागेहौ, सो पाईगए हाए, करके विश्वास करईगे, ताव तुमरे ताहि हुईजाएहै |२५ जब तुम प्रार्थना क्रनके ठाढत हौ, तव कोईके विरुध्दमें तुमर कुछ है ताव छमा करिओ, ताकि स्वर्गम होन बारो तुमरो दावा फिर तुमरो अपराधके छमा करदेहै |२६ और छमा नएकरेहौ, स्वर्गम होनबारो दावा फिर तुमरो अपराधके छमा नए कारइगो |"]

[येशुक अधिकरमें प्रश्न]
फिर यरूशलेममें अओ |और येशु मन्दिरमे इताए उताए नेगतरहै मुखी पुजारी,शास्त्री,धर्म-गुरु बोके ठिन आए |२८ बे बोसे प्रश्न करी, "कौन अधिकारसे तुम जा काम करथौ? जा काम कर्नके अधिकार तुमाए कौन दाव ?"२९ येशु बिनसे कहि, "मए तुमसे एक प्रश्न पूछत हौ, और तुम बोको जबाफ देहौ, और कौन अधिकारसे मए काम करतहौ,सो माहू बताए हौ |३० युहन्ना लई बप्तिस्मा स्वर्गस हाए की आदमीसे, मोके जबाफ देओ |"३१ तव बे

आइसे कहत आपसमें बहस करनलागे, "स्वर्गस'कैहए ताव 'तुम बाके ऊपर कहे विश्वास नए करे' करके बो कहै |३२ आदमीसे कैहै.."तव बो अइसे कैहै जनतासे डारइ गाए |काहेकी सबाए युहन्नाके सच्चो अगमबक्ता कारकेथै |३३ तव बे येशुके जबाफ दैके कहि, "हमके पता नैयाँ |" येशु उनसे कहि, मए फिर कौन अधिकारसे जा काम करथै, सो तुमाए महू नए बताए हौ |"

अंगुरबारी कहानी

१२ अध्यया १ बो उनसे कहानीमे कहान लागो : "एक आदमीक अंगुरकी बारी लगएके बोके असपिस बेणा लगइ, और कोलू के ताहि एक गड्डा खोदी |और एक मचान बनएक बो अगुरकी बारीमे कमैयाके कमान दैगओ, और अपना प्रदेश गओ |२ फसलके समयमे बो, बे कमैयानके ठिन कुछ फसल लेनके एक नोकरके पठाई |३ तव बे बोके पकणके पिटी और खली हात पठाई |४ फिर बो बिनके ठिन दुसरो नोकरके पठाई, तव बे बाके मुणमें मारी और बाकी बेइज्जत करी ५ मालिक और दुसरेक पठाई, तव बे बहुके मरी, तव ओर बाहुतनके फिर पठाई, तव बे कुइके पिटी और कुइके मरडारी |६ "बक एक प्यारो लौणा |'बो कहि,बे मेरो लौणक त आदर कर्डगे',करके सबसे पीछू बो अपन लौणक उनके ठिन पठाई |७ तव बे कमैया आपसमे कहि, "ओहो जत उत्तारअधिकारी है |अओ, हम जक मराए, और हक़ हमरो नए हुईहै|" ८ और बे बोके पकडके मरी, और अंगुरकी बारीके बहिर फ्याँक दइ |९ "तव अंगुरकी बरीको मालिक का कराईगो ?बो अबैगो्, और बे कमैयानके नाश कराइ गो्, और अंगुरकी बारी और दुसरेक देहाए|१० का तुम धर्मशसतरकजा बचन पढे नएहौ? "जौन पत्थरके घर बानान बारे रद्द करीरहए बहे कुनैठोक मुण-पत्थर बनो, ११ जा परमप्रभुसे भाव हए, और हमरी देखाईमे जा अचम्मो है |'१२ तव पिछू बे बोके पकड़न ढुणत रहै, काहेकी जा कहानी बो उनके बिरुदमें कही है करके बे बूझी |तव बे भीडसे डराएके कारण बोके छोड़के गईभए |

[कैसरके कर बूझानके बारेम प्रश्न]

१३ पिछुसे बोके कौन बातमें फसमाए करके बे फरिसी और हेरोदी मध्येक कोही मानैइन बोके कहाँ पठाई |१४ बे आए बोसे कही, "गुरुज्या, हम जनत है, ताए सच्चो हए, और कोइको वास्ता नए करतहै |काहेकी तुम मुहु देखके काम नए करतहौ |और परमेश्वरको डगर सच्चो तारिकसे सिखत हौ | तव बताबओ, कैसरके कर तीरन ठीक है कि नए?१५ हम कर तिरए की नए तिरए? येशु उनके कप्ठीपन पता पाएक उनसे कही, "तुम कहे मोके परीक्षा करत हौ?एक रुपैया ल्याव|" १६ बे एक रुपैया ल्याई |बो उनसे कही, "जा तस्बीर और छाप का को हए?"बे बोसे कही, "कैसरक |"१७ तव येशु उनसे कही, "कैसरक चीज कैसरक देओ, और परमेश्वरके चीज परमेश्वरके |"बे बोसे अचम्मो मानी |

[जिन्दा और बेहा]

१८मार्के जिन्दा नहोत है, करके सदुकी बाके ठिन आए, और बासे पूछी, १९"गुरुज्या, मोशा हमरे ताहि लिखीहै,की कोइको दादा मरीगओ और बिना संतन बैयार छोड़ीगओ तव बक भैयाक बो बैयार लैजन पडतहै और अपन दादक ताहि संतन खण करन पडत हए |"२० एक पारिबारमें सात भईया रहै |जेठोक एक बैईयार ल्याई और बो आदमी बिना संतान भाए मरीगओ |२१ अब मझला भईया बो बैईयार से बेहा करी, और फिर बिना संतान भाए मरीगओ |और सझला फिर उईसी करी, २२ और सातओ भईयानके संतान नएभाए |सबसे पीछू बो बैईयार फिर मरी २३ अब मार्के जिन्दामें बिन मैसे बो कौन की बैईयार हुईहै?काहेकी बे सात जनैबोके बेहा करीरहै |"२४ येशु उनसे कही, "तुम भूलमें पडेहौ और, न त तुम धर्म ससतर जनत हौ, न त परमेश्वरकी शाक्तिक जनत हौ? २५काहेकी जब मार्के बे जिन्दा हुईहए, बे न त बेहा करेहाए, न उनको बेहा हुईहए, बेत स्वर्गम भए दूत कता हुईहै |२६ मार्के जिन्दा उठन बरी बातक बारेम क तुम मोशा किताब पढे नैयाँ?की कैसे पोथरा बारेम लिखो भाव

खण्डमें परमेश्वर मोशासे कही, 'मए अब्राहामक परमेश्वर, इसहाकको परमेश्ववर और याकूबक परमेश्वर हौ |'२७ बो मुर्दाक परमेशवर नैयाँ, बोत जिन्दाक हए|तुम एकदमए भुल्मे पड़ेहौ |"

[सबसे बणो आज्ञा]
२८